Class 10 Hindi Sparsh Chapter 2: मीरा – पद (Meera Ke Pad) – Notes, प्रश्न-उत्तर और MCQs (2026-27)

ये Meera Ke Pad Class 10 notes (मीरा के पद) CBSE कक्षा 10 हिंदी स्पर्श भाग 2 के दूसरे पाठ को पूरी तरह कवर करते हैं: मीराबाई का परिचय, दोनों पदों का भावार्थ, भक्त-उद्धार के उदाहरण, चाकरी से मिलने वाले तीन लाभ, काव्य-सौंदर्य, NCERT प्रश्न-उत्तर, 10 MCQs और मुफ़्त PDF।

नीचे दी गई विषय-सूची से सीधे अपने ज़रूरी भाग पर जाएँ, या पूरे पाठ की तैयारी के लिए शुरू से अंत तक पढ़ें।

विषय-सूची (Table of Contents)

- पाठ परिचय (Chapter Overview)
- मुख्य बिंदु और व्याख्या (Important Points)
- भक्त-उद्धार के उदाहरण
- चाकरी से मिलने वाले तीन लाभ
- काव्य-सौंदर्य
- दोनों पदों की तुलना
- शब्दार्थ (Word Meanings)
- लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)
- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Questions)
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs with Answers)
- त्वरित पुनरावृत्ति (Quick Revision)
- सारांश (Summary)
- परीक्षा टिप्स (Exam Tips)
- अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)
- निष्कर्ष (Conclusion)

सभी पाठों के नोट्स चाहिए? Nextoper पर पूरे Class 10 Hindi notes देखें – क्षितिज, कृतिका, स्पर्श और संचयन, पाठ-वार।

पाठ परिचय (Chapter Overview)

मीराबाई (लगभग 1498–1546) का जन्म राजस्थान के मेड़ता के कुड़की गाँव में हुआ। उनका विवाह मेवाड़ के राणा सांगा के पुत्र भोजराज से हुआ, पर कम उम्र में ही पति की मृत्यु हो गई। वे बचपन से श्रीकृष्ण को अपना पति मानती थीं। सगुण भक्ति धारा की कृष्णभक्त कवयित्री मीरा ने संत रैदास को अपना गुरु माना। उनकी भाषा राजस्थानी मिश्रित ब्रज है और उनके पद गेय (गाए जाने योग्य) हैं।

पहले पद में मीरा श्रीकृष्ण से अपने कष्ट दूर करने की प्रार्थना करती हैं और उनके भक्त-उद्धार के उदाहरण देती हैं: द्रौपदी, प्रह्लाद (नरसिंह अवतार) और गजराज। दूसरे पद में वे कृष्ण की दासी (चाकर) बनकर रहने की इच्छा व्यक्त करती हैं, ताकि उन्हें दर्शन, स्मरण और भक्ति – तीनों मिल सकें।

मुख्य बिंदु और व्याख्या (Important Points)

पद 1: हरि आप हरो जन री भीर

- मूल अंश: “हरि आप हरो जन री भीर। द्रोपदी री लाज राखी, आप बढ़ायो चीर।”
- भावार्थ: मीरा कहती हैं कि हे प्रभु, आप ही अपने भक्तों के कष्ट दूर करते हैं। आपने चीर बढ़ाकर द्रौपदी की लाज बचाई।
- भक्त प्रह्लाद की रक्षा के लिए आपने नरसिंह (नरहरि) का रूप धारण किया।
- डूबते हुए गजराज (ऐरावत/हाथी) को मगरमच्छ से बचाकर उसकी पीड़ा दूर की।

- अंत में मीरा कहती हैं कि मैं आपकी दासी हूँ, हे गिरधर लाल, मेरी पीड़ा भी दूर कीजिए।

पद 2: स्याम म्हाने चाकर राखो जी

- मूल अंश: "स्याम म्हाने चाकर राखो जी।"
- भावार्थ: मीरा कृष्ण से विनती करती हैं कि मुझे अपनी सेविका बना लीजिए। मैं बाग लगाऊँगी और रोज़ सवेरे उठकर आपके दर्शन करूँगी।
- वृंदावन की कुंज गलियों में आपकी लीलाओं का गुणगान करूँगी।
- चाकरी के बदले मुझे तीन चीज़ें मिलेंगी: दर्शन (वेतन), स्मरण (जेब खर्च) और भाव-भक्ति (जागीर)।

कृष्ण का रूप-सौंदर्य

- कृष्ण के सिर पर मोर-मुकुट, शरीर पर पीतांबर और गले में वैजयंती माला सुशोभित है।
- वे वृंदावन में गायें चराते और मुरली बजाते हैं।
- मीरा ऊँचे-ऊँचे महल बनवाकर बीच-बीच में फुलवारी (बाग़) लगाना चाहती हैं।
- वे कुसुंबी (लाल) साड़ी पहनकर साँवरे के दर्शन करना चाहती हैं।

दर्शन की व्याकुलता

- मीरा प्रार्थना करती हैं कि आधी रात को यमुना के तट पर दर्शन दीजिए।
- वे कहती हैं कि मेरे प्रभु गिरधर नागर हैं और मेरा हृदय उनके दर्शन के लिए बहुत अधीर है।
- यह पद मीरा की अनन्य भक्ति और समर्पण का भाव दिखाता है।

भक्त-उद्धार के उदाहरण

पहले पद के लिए।

भक्त	कष्ट	प्रभु की सहायता
द्रौपदी	भरी सभा में चीरहरण	चीर बढ़ाकर लाज बचाई
प्रह्लाद	हिरण्यकश्यप का अत्याचार	नरसिंह रूप धारण कर रक्षा
गजराज	मगरमच्छ ने पकड़ा, डूब रहा था	मगर को मारकर रक्षा

चाकरी से मिलने वाले तीन लाभ

दूसरे पद का मुख्य बिंदु।

लाभ	रूपक
दर्शन	वेतन (चाकरी का पुरस्कार)
स्मरण	खर्ची (जेब खर्च)
भाव-भक्ति	जागीर (संपत्ति)

काव्य-सौंदर्य

काव्य-सौंदर्य प्रश्नों के लिए।

पक्ष	विवरण
भाषा	राजस्थानी मिश्रित ब्रज
भक्ति	सगुण, दास्य और माधुर्य भाव
रस	भक्ति रस

अलंकार	अनुप्रास (बूढ़तो गजराज, कुंज गली), रूपक (भाव भगती जागीरी), पुनरुक्ति प्रकाश (ऊँचा ऊँचा)
गुण	माधुर्य
विशेषता	गेयता, संगीतात्मकता

दोनों पदों की तुलना

पद 1	पद 2
कष्ट दूर करने की प्रार्थना	चाकर बनने की विनती
भक्त-उद्धार के पौराणिक उदाहरण	कृष्ण के रूप-सौंदर्य का वर्णन
दास्य भाव	दास्य और माधुर्य भाव
अंत: मेरी भी पीड़ा हरो	अंत: दर्शन के लिए अधीर मन

शब्दार्थ (Word Meanings)

शब्द	अर्थ
हरो	दूर करो
जन	भक्त
भीर	पीड़ा, कष्ट
लाज	इज़्ज़त
चीर	वस्त्र
नरहरि	नरसिंह अवतार
बूढ़तो	डूबता हुआ
गजराज	हाथियों का राजा
कुण्जर	हाथी
म्हाने	मुझे
चाकर	सेवक
रहस्यूँ	रहकर
नित	प्रतिदिन
सुमरण	स्मरण
खरची	खर्च, जेब खर्च
जागीरी	जागीर, संपत्ति
सरसी	अच्छी
पीताम्बर	पीला वस्त्र
बारी	बगीचा
कुसुम्बी	लाल रंग की
तीरा	किनारे

अधीरा	व्याकुल

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)

प्रश्न 1. पहले पद में मीरा ने हरि से अपनी पीड़ा हरने की विनती किस प्रकार की है?

उत्तर: मीरा कहती हैं कि जैसे आपने द्रौपदी की लाज बचाई, प्रह्लाद के लिए नरसिंह रूप धारण किया और डूबते गजराज को बचाया, वैसे ही मुझ दासी की पीड़ा भी दूर कीजिए।

प्रश्न 2. दूसरे पद में मीराबाई श्याम की चाकरी क्यों करना चाहती हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: चाकरी करने से उन्हें रोज़ कृष्ण के दर्शन होंगे, उनका स्मरण होगा और भाव-भक्ति रूपी जागीर मिलेगी। इस तरह वे सदा कृष्ण के निकट रह सकेंगी।

प्रश्न 3. मीराबाई ने श्रीकृष्ण के रूप-सौंदर्य का वर्णन कैसे किया है?

उत्तर: श्रीकृष्ण के सिर पर मोर-मुकुट, शरीर पर पीतांबर और गले में वैजयंती माला है। वे वृंदावन में गायें चराते हुए मुरली बजाते हैं।

प्रश्न 4. मीराबाई की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

उत्तर: मीरा की भाषा राजस्थानी मिश्रित ब्रज है। उनके पद गेय हैं, भाषा सरल, मधुर और भावपूर्ण है। अनुप्रास और रूपक अलंकार का सहज प्रयोग है।

प्रश्न 5. वे श्रीकृष्ण को पाने के लिए क्या-क्या कार्य करने को तैयार हैं?

उत्तर: वे चाकर बनकर बाग लगाने, रोज़ सवेरे उठकर दर्शन करने, वृंदावन की गलियों में लीला गाने, ऊँचे महल बनाकर बीच में बगीचे लगाने और कुसुंबी साड़ी पहनकर दर्शन करने को तैयार हैं।

प्रश्न 6. 'भाव भगती जागीरी पास्यूँ' का भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: मीरा कहती हैं कि चाकरी के बदले उन्हें भाव-भक्ति रूपी जागीर मिलेगी, जो किसी भी सांसारिक संपत्ति से अधिक मूल्यवान है।

प्रश्न 7. मीरा कृष्ण से कहाँ और कब दर्शन देने की प्रार्थना करती हैं?

उत्तर: मीरा आधी रात को यमुना नदी के किनारे दर्शन देने की प्रार्थना करती हैं।

प्रश्न 8. मीरा ने स्वयं को किस रूप में प्रस्तुत किया है?

उत्तर: मीरा ने स्वयं को कृष्ण की दासी (चाकर) के रूप में प्रस्तुत किया है, जो पूर्ण समर्पण भाव से उनकी सेवा करना चाहती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Questions)

प्रश्न 1. मीरा के पदों के आधार पर उनकी भक्ति-भावना की विशेषताएँ लिखिए।

- अनन्य भक्ति: केवल गिरधर गोपाल को अपना सब कुछ मानना।
- दास्य भाव: स्वयं को कृष्ण की दासी/चाकर मानना।
- माधुर्य भाव: कृष्ण के रूप-सौंदर्य पर मुग्ध होना।
- विश्वास: प्रभु भक्तों के कष्ट अवश्य दूर करते हैं।
- व्याकुलता: दर्शन के लिए अधीर हृदय।

प्रश्न 2. पहले पद में दिए गए उदाहरणों के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि ईश्वर भक्तों की रक्षा करते हैं।

- द्रौपदी के चीरहरण के समय चीर बढ़ाकर उसकी लाज बचाई।
- प्रह्लाद की रक्षा के लिए नरसिंह अवतार लिया।
- मगरमच्छ के पंजे में फँसे डूबते गजराज को बचाया।
- इन उदाहरणों से मीरा का विश्वास दिखता है कि प्रभु उनकी भी रक्षा करेंगे।
- संदेश: सच्चे भक्त की पुकार ईश्वर अवश्य सुनते हैं।

प्रश्न 3. मीरा के पदों का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

- भाषा: राजस्थानी मिश्रित ब्रज, सरल और मधुर।

- रस: भक्ति रस; भाव: दास्य और माधुर्य।
- अलंकार: अनुप्रास, रूपक, पुनरुक्ति प्रकाश।
- गेयता: पद संगीतात्मक और गाने योग्य हैं।
- पौराणिक प्रसंगों का सुंदर प्रयोग।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs with Answers)

1. मीराबाई किसकी भक्त थीं?

(क) राम (ख) श्रीकृष्ण (ग) शिव (घ) विष्णु

उत्तर: (ख) श्रीकृष्ण

2. मीरा ने किसे अपना गुरु माना?

(क) कबीर (ख) रैदास (ग) तुलसी (घ) सूर

उत्तर: (ख) रैदास

3. द्रौपदी की लाज कैसे बचाई गई?

(क) युद्ध करके (ख) चीर बढ़ाकर (ग) छिपाकर (घ) भगाकर

उत्तर: (ख) चीर बढ़ाकर

4. प्रह्लाद के लिए प्रभु ने कौन-सा रूप धारण किया?

(क) वराह (ख) नरसिंह (ग) वामन (घ) मत्स्य

उत्तर: (ख) नरसिंह

5. मीरा क्या बनना चाहती हैं?

(क) रानी (ख) चाकर (सेविका) (ग) संन्यासिनी (घ) गायिका

उत्तर: (ख) चाकर (सेविका)

6. चाकरी में 'खरची' के रूप में क्या मिलेगा?

(क) दर्शन (ख) स्मरण (ग) भक्ति (घ) धन

उत्तर: (ख) स्मरण

7. मीरा कैसी साड़ी पहनकर दर्शन करना चाहती हैं?

(क) पीली (ख) कुसुंबी (ग) सफ़ेद (घ) हरी

उत्तर: (ख) कुसुंबी

8. मीरा की भाषा है

(क) अवधी (ख) राजस्थानी मिश्रित ब्रज (ग) खड़ी बोली (घ) मैथिली

उत्तर: (ख) राजस्थानी मिश्रित ब्रज

9. मीरा कहाँ दर्शन चाहती हैं?

(क) गंगा तट (ख) यमुना तट (ग) मथुरा (घ) द्वारका

उत्तर: (ख) यमुना तट

10. 'भीर' का अर्थ है

(क) भीड़ (ख) पीड़ा (ग) भय (घ) भक्ति

उत्तर: (ख) पीड़ा

त्वरित पुनरावृत्ति (Quick Revision)

- कवयित्री: मीराबाई (लगभग 1498–1546), कुड़की (मेड़ता); गुरु रैदास; कृष्ण भक्त।
- पद 1: द्रौपदी (चीर), प्रह्लाद (नरसिंह), गजराज – मेरी भी पीड़ा हरो।
- पद 2: चाकर बनना; लाभ: दर्शन, स्मरण (खरची), भाव-भक्ति (जागीर)।
- कृष्ण: मोर-मुकुट, पीतांबर, वैजयंती माला, मुरली।
- कुसुंबी साड़ी; आधी रात यमुना तट पर दर्शन।
- भाषा: राजस्थानी मिश्रित ब्रज; भक्ति रस; गेयता।

सारांश (Summary)

पहले पद में मीरा श्रीकृष्ण से अपने कष्ट दूर करने की प्रार्थना करती हैं। वे याद दिलाती हैं कि प्रभु ने द्रौपदी की लाज बचाई, प्रह्लाद के लिए नरसिंह रूप लिया और डूबते गजराज की रक्षा की; उसी तरह वे अपनी दासी की पीड़ा भी हरें।

दूसरे पद में मीरा कृष्ण की चाकर बनना चाहती हैं, ताकि उन्हें दर्शन, स्मरण और भाव-भक्ति मिलें। वे कृष्ण के रूप-सौंदर्य का वर्णन करती हैं और आधी रात यमुना तट पर दर्शन की विनती करती हैं, क्योंकि उनका हृदय अत्यंत अधीर है।

परीक्षा टिप्स (Exam Tips)

- तीनों भक्त-उद्धार उदाहरण क्रम से याद करें।
- चाकरी के तीन लाभ (दर्शन, स्मरण, भक्ति) तालिका से याद करें।
- कृष्ण के रूप-सौंदर्य वाला प्रश्न अक्सर आता है।
- काव्य-सौंदर्य में भाषा, रस, अलंकार और गेयता लिखें।
- मूल पंक्तियाँ सही वर्तनी के साथ उद्धृत करें।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)

इस पाठ का मुख्य संदेश क्या है?

ईश्वर के प्रति अनन्य भक्ति, समर्पण और विश्वास कि प्रभु भक्तों के कष्ट दूर करते हैं।

क्या यह पाठ 2026-27 सिलेबस में है?

हाँ, यह CBSE हिंदी B की पाठ्यपुस्तक स्पर्श भाग 2 में है।

क्या इन नोट्स का PDF मिलेगा?

हाँ, ऊपर दिए लिंक से बिना साइनअप मुफ़्त PDF डाउनलोड करें।

निष्कर्ष (Conclusion)

मीरा के पद भक्ति और समर्पण की अमर अभिव्यक्ति हैं। उदाहरण तालिका और चाकरी के लाभ दोहराकर इस पाठ में पूरे अंक पाएँ।

और नोट्स (More Notes): Class 10 Hindi Sparsh Chapter 1: कबीर – साखी notes | Class 10 Hindi Sparsh Chapter 3: मनुष्यता notes | All Class 10 Hindi notes

लेखक परिचय (Author Bio): ये नोट्स Nextoper Editorial Team ने तैयार और जाँचे हैं – CBSE हिंदी शिक्षकों का समूह, जो NCERT पाठ्यपुस्तक और पिछले बोर्ड प्रश्नपत्रों के पैटर्न के आधार पर पाठ-वार नोट्स बनाते हैं।

अद्यतन जानकारी (Freshness Note): ये नोट्स NCERT कक्षा 10 की हिंदी पाठ्यपुस्तक स्पर्श भाग 2 (Reprint 2026-27, CBSE Hindi B) और 2026-27 सत्र के CBSE पाठ्यक्रम पर आधारित हैं। अंतिम जाँच: 10 नवंबर 2026।